PGDGPS

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

(माड्यूलर कार्यक्रम)

सत्रीय कार्य

वर्ष 2013–2014

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी.जी.डी.जी.पी.एस.)

www.ozpdf.com

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा कि हमने गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (माड्यूलर कार्यक्रम) की कार्यक्रम दर्शिका में बताया है कि प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। इस पुस्तिका में **गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.जी.पी.एस.)** के सत्रीय कार्य हैं। यह गाँधी और शांति अध्ययन के माड्यूलर कार्यक्रम के पाठ्यक्रम हैं।

आपको सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके एक निश्चित समयावधि के बीच जमा करना है जो आपके कार्यक्रम का एक हिस्सा हैं और यह आपको कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने के योग्य बनाते हैं जिनमें आपका पंजीकरण हुआ है। सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने ही शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सभी सत्रीय कार्यों को आप अपने **अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ**। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकित करने के पश्चात अध्ययन केन्द्र आपको इन्हें वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होगा।

प्रस्तुतीकरण :

आपको सत्रांत परीक्षा देने की पात्रता प्राप्त करने के लिए निर्धारित समय–सीमा के भीतर सभी सत्रीय कार्यों को अवश्य जमा करना होगा। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँ:

समय सारणी

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2013 सत्र के लिए	30 अप्रैल 2014	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी 2014 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2014	

www.oxpat.com

सत्रीय कार्य करने के लिए मार्ग निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य के प्रत्येक श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें, यह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगीः

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उनका ध्यान से अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठनः** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनशील बनें और विश्लेषण करने का प्रयास करें। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष लिखने पर समुचित ध्यान दें:

   यह सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तरः

   क) तर्कसंगत और सुसंगत हो

   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और।

   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही–सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरणः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तरों की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ हस्तलिपि में लिखें और जिन बिन्दुओं पर ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें।

शुभकामनाओं के साथ,

www.ignou.com

पाठ्यक्रम – गाँधी : एक व्यक्ति और उनका युग (एम.जी.पी.–001)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः एम.जी.पी.–001
सत्रीय कार्य कोड : एम.जी.पी.–001/ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2013–2014
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. गाँधीवादी विचारों में अध्ययन के लक्ष्य और उद्देश्यों को स्पष्ट कीजिए।

2. दक्षिण अफ्रीका में नस्लवादीय भेदभाव के विरुद्ध गाँधी के संघर्ष की समीक्षा कीजिए।

3. निम्नलिखित की प्रमुख विशेषताओं और महत्व का वर्णन कीजिएः
   क) गाँधी पर हेनरी डेविड थ्योरयू का प्रभाव
   ख) अहिंसक संघर्ष और सत्याग्रह का महत्व

4. ख़िलाफ़त आन्दोलन की प्रकृति और इसकी असहयोग आन्दोलन की रचना में भूमिका की चर्चा कीजिए।

5. असहयोग आन्दोलन के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

6. क) विधायिका निकायों में दलित वर्गों के लिए प्रतिनिधित्व के लिए विशेष प्रावधान
   ख) पूर्ण स्वराज का सार

7. क) गाँधी–इरविन पैक्ट
   ख) द्वितीय गोलमेज़ सम्मेलन

8. क) डॉ. अम्बेडकर के न्याय संबंधी विचार
   ख) गाँधी द्वारा क्रांतिकारियों की आलोचना

9. क) सावरकर पर प्रारंभिक प्रभाव जिसके कारण उसके झुकने के सिद्धांत को आकार दिया
   ख) राष्ट्रवाद और अन्तर्राष्ट्रवाद के विशेष संदर्भ के साथ नेहरु के राजनीतिक विचार

10. क) भारत छोड़ो आन्दोलन के परिणाम
    ख) भारत का विभाजन

www.ignou.com

पाठ्यक्रम – गाँधी का दर्शन (एम.जी.पी.–002)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः एम.जी.पी.–002
सत्रीय कार्य कोड : एम.जी.पी.–002/ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2013–2014
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. गाँधी के आर्थिक और राजनीतिक दर्शन पर पश्चिमी विद्वानों के प्रभावों को स्पष्ट कीजिए।

2. गाँधी पर मानव प्रकृति की धारणा के प्रभावों की चर्चा कीजिए।

3. गाँधी के जीवन में सत्य का अर्थ और उसके महत्व को स्पष्ट कीजिए।

4. गाँधी के अहिंसा के विचार की बौद्धिकता और ऐतिहासिकता को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

5. समाज में सद्भावना लाने के लिए तुलसीदास के प्रयासों की समीक्षा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

6. क) आधुनिक सभ्यता के विरुद्ध गाँधी के तर्क
   ख) भारतीय सभ्यता की आलोचनात्मक समझ

7. क) व्यक्ति के प्रति गाँधी की अवधारणा
   ख) जोहन रस्किन

8. क) गाँधी के कर्त्तव्य की संकल्पना
   ख) गाँधी की स्वराज की संकल्पना

9. क) गाँधी की स्वदेशी की संकल्पना और अर्थ
   ख) ग्रामीण अर्थव्यवस्था

10. क) सत्याग्रह की संकल्पना
    ख) गाँधी के व्यक्ति का पूर्णतावादी राष्ट्र

www.oxpdf.com

पाठ्यक्रम – गाँधी के सामाजिक विचार (एम.जी.पी.–003)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः एम.जी.पी.–003
सत्रीय कार्य कोड : एम.जी.पी.–003/ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2013–2014
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. सामाजिक परिवर्तन की गाँधीवादी आलोचना की समीक्षा कीजिए।
2. आधुनिकता की गाँधीवादी आलोचना की समीक्षा कीजिए।
3. गाँधी के हिन्दु–मुस्लिम एकता पर विचारों को स्पष्ट कीजिए।
4. राजनीति में महिलाओं की भूमिका पर गाँधी के विचारों को स्पष्ट कीजिए।
5. ब्रिटिश भारत में साम्प्रदायिक संघर्ष की गाँधी द्वारा किए गए विश्लेषण की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

6. क) गाँधी की धर्म की संकल्पना
   ख) दलित वर्गों पर गाँधी के विचार

7. क) स्वतंत्रता संघर्ष में महिलाओं का योगदान
   ख) श्रम पर गाँधी के विचार

8. क) बच्चों की शिक्षा पर गाँधी के विचार
   ख) मानव–प्रकृति संबंधों पर गाँधी के विचार

9. क) प्राकृतिक चिकित्सा पर गाँधी के विचार
   ख) विद्यार्थियों को गाँधी का संदेश

10. क) भाषा पर गाँधी की संकल्पना और विचार
    ख) नशाबंदी (मद्यनिषेध)

www.oxpdf.com

पाठ्यक्रम – गाँधी के राजनीतिक विचार (एम.जी.पी.–004)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः एम.जी.पी.–004
सत्रीय कार्य कोड : एम.जी.पी.–004/ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2013–2014
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. आधुनिक भारतीय राजनीतिक सिद्धांतों के अध्ययन की पृष्ठभूमि की समीक्षा कीजिए।

2. रचनात्मक कार्यक्रमों और नागरिकता पर गाँधी के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

3. गाँधी के आलोचनावाद अथवा औद्योगिकीकरण पर चर्चा कीजिए।

4. गाँधी की एक राष्ट्र के रूप में भारत की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

5. गाँधी की वैयक्तिक स्वायत्तता की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

6. क) साध्यों और साधनों (Ends and Means) के महत्व पर गाँधी के विचार
   ख) गाँधी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और स्वराज की अवधारणा

7. क) गाँधी की नस्लीय और जातिगत समानता की अवधारणा
   ख) गाँधी की आर्थिक समानता की अवधारणा

8. क) उपनिवेशवाद के विरुद्ध गाँधी का अहिंसात्मक संघर्ष
   ख) उदारवाद और संविधानवाद पर गाँधी के विचार

9. क) गाँधी की अधिकारिक रूप में सत्य के निर्माण की संकल्पना
   ख) गाँधी की न्याय की संकल्पना

10. क) संगठनात्मक हिंसा पर गाँधी के विचार
    ख) गाँधी की फासीवाद संकल्पना और अर्थ

www.oxpdf.com

पाठ्यक्रम – गाँधी के आर्थिक विचार (एम.जी.पी.ई.–006)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः एम.जी.पी.ई.–006
सत्रीय कार्य कोड : एम.जी.पी.ई.–006/ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2013–2014
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. आज की आधुनिक अर्थव्यवस्था के क्षेत्र को स्पष्ट कीजिए।
2. गाँधी का आधुनिक अर्थव्यवस्था की आलोचना का वर्णन कीजिए।
3. मूल भारतीय संसाधनों को स्पष्ट कीजिए जिनके कारण अर्थव्यवस्था पर गाँधी के विचार प्रभावित हुए।
4. चम्पारण की स्थिति के माध्यम से किस प्रकार से गाँधी ने आर्थिक शोषण को समझा था?
5. भारत में औपनिवेशिक साम्राज्यवाद के साथ गाँधी के प्रतिरोध की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

6. क) गाँधी द्वारा प्रस्तुत न्यासिता (ट्रस्टीशिप) का सिद्धांत
   ख) गाँधी द्वारा प्रस्तुत इच्छाओं को सीमित करना

7. क) अपरिग्रह का सिद्धांत
   ख) गाँधी का मशीनीकरण और औद्योगिकीकरण पर विचार

8. क) पश्चिमी औद्योगिकीकरण
   ख) गाँधी का अहिंसक अर्थव्यवस्था का आदर्श

9. क) गाँधी की ग्राम विकास की संकल्पना
   ख) भूमण्डलीकृत विश्व में गाँधीवादी आर्थिक आदर्श की प्रासंगिकता

10. क) विकेन्द्रीकरण का गाँधीवादी दृष्टिकोण
    ख) सतत् अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय

www.oxpdf.com

पाठ्यक्रम – गाँधी के बाद अहिंसक आन्दोलन (एम.जी.पी.ई.–007)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः एम.जी.पी.ई.–007
सत्रीय कार्य कोड : एम.जी.पी.ई.–007/ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2013–2014
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. भारत में सामाजिक क्रांति की उपलब्धियाँ और उसकी कमियों की चर्चा कीजिए।

2. भारत में शांति आंदोलनों की मुख्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

3. गाँधी के बाद अहिंसक आंदोलनों के परिणामों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

4. आज भारत द्वारा सामना की जाने वाली विभिन्न सामाजिक समस्याओं की चर्चा कीजिए।

5. भूदान आंदोलन की समकालीन प्रासंगिकता की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

6. क) संपूर्ण क्रांति की संकल्पना
   ख) नशाबंदी आन्दोलन के विकास और संकल्पना की खोज़ कीजिए।

7. क) भारत में स्वतंत्रता के बाद किसानों के आंदोलन
   ख) चिपको आन्दोलन के उद्‌गम की खोज़ कीजिए।

8. क) आंध्र प्रदेश में शराब विरोधी आंदोलन
   ख) साइलेंट वैली आन्दोलन

9. क) यूरोप में ग्रीन पीस आन्दोलन
   ख) दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद विरोधी आंदोलन

10. क) पोलैण्ड में अहिंसक सोलिडरिटी आन्दोलन
    ख) भारत में राष्ट्रीय जल नीति और उभरते विकल्प

www.ignou.com

पाठ्यक्रम – शांति और संघर्ष समाधान के गाँधीवादी दृष्टिकोण
(एम.जी.पी.ई.–008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः एम.जी.पी.ई.–008
सत्रीय कार्य कोड : एम.जी.पी.ई.–008/ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2013–2014
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. शांति के साधन के रूप में राज्य और नागरिक समाज की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

2. असहिष्णुता से लड़ने के लिए गाँधी द्वारा प्रस्तुत विभिन्न समाधानों का विश्लेषण कीजिए।

3. आप अपने शब्दों में निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः
   क) सामुदायिक शांति की गाँधीवादी दृष्टि
   ख) समझौता और मध्यस्थयता

4. विश्व संघ और शांतिपूर्ण विश्व के गाँधी के विचार का वर्णन कीजिए।

5. संघर्ष समाधान के गाँधीवादी दृष्टिकोण की समीक्षा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

6. क) कानूनी संघर्षों पर गाँधी के विचार
   ख) सेवा (SEWA) की भूमिका और विशेषताएँ

7. क) उपवास और आज इसकी प्रासंगिकता पर गाँधी के विचार
   ख) हड़ताल के अर्थ और महत्व

8. क) रॉलैट सत्याग्रह की प्रासंगिकता
   ख) आपसी मेल–मिलाप की विशेषताएँ और पक्ष

9. क) आपसी मेल–मिलाप की विशेषताएँ और पक्ष
   ख) कश्मीर मुद्दे के संभावित समाधान के लिए गाँधीवादी दृष्टिकोण के कौन से तत्व होंगे?

10. क) अरब–इज़राइल संघर्ष के कारण और विशेषताएँ
    ख) श्रीलंका के नृजातीय संघर्ष में भारत की भूमिका

www.ignou.com

पाठ्यक्रम – इक्कीसवीं सदी में गाँधी (एम.जी.पी.ई.–009)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः एम.जी.पी.ई.–009
सत्रीय कार्य कोड : एम.जी.पी.ई.–009/ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2013–2014
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. राजनीतिक भूमण्डलीकरण के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

2. लालच के बुरे प्रभाव और अत्यधिक उपभोक्तावाद के ढाँचे को कम करने के लिए गाँधी ने कौन–से विकल्पों का सुझाव दिया है?

3. विश्व में व्यवस्था स्थापित करने और उसको बनाए रखने के लिए महात्मा गाँधी ने कौन–से उपाय बताए हैं?

4. स्व–विकास के गाँधीवादी विचार को स्पष्ट कीजिए।

5. लोकतंत्र की परिभाषा दीजिए और लोकतंत्र के विभिन्न प्रकारों के बीच अंतर बताइए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

6. क) ग्राम स्वराज और आज इसकी प्रांसगिकता
   ख) मानवतावाद और सार्वभौमिकतावाद

7. क) सांस्कृतिक विविधता की संकल्पना और अर्थ
   ख) सामाजिक समावेशन की गाँधीवादी प्रणालियों का विश्लेषण कीजिए।

8. क) महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में गाँधी का योगदान
   ख) विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर गाँधी के विचार

9. क) सांस्कृतिक विविधताओं पर गाँधीवादी दृष्टिकोण
   ख) आतंकवाद और मानव अधिकार

10. क) अन्तःविश्वास संवाद
    ख) जीवन शैली बनाम पर्यावरण

www.cxpdf.com

पाठ्यक्रम – संघर्ष प्रबंधन (एम.जी.पी.ई.–010)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः एम.जी.पी.ई.–010
सत्रीय कार्य कोड : एम.जी.पी.ई.–010/ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2013–2014
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. आज समाज में संघर्ष की प्रकृति की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

2. संघर्ष के बाद की क्षतिपूर्ति शांति निर्माण का घनिष्ठ तत्व है। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित को लगभग 250 शब्दों में स्पष्ट कीजिए:
   क) संयुक्त राष्ट्र और संघर्ष प्रबंधन
   ख) आज संघर्ष को कम करने में विश्व बैंक और मौद्रिक निधि की भूमिका

4. पंजाब में आतंकवाद की समस्या के मुख्य कारणों का विश्लेषण कीजिए।

5. संघर्ष प्रबंधन की संकल्पना का परीक्षण कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

6. क) संघर्ष परिवर्तन पर विभिन्न परिप्रेक्ष्यों को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।
   ख) संघर्ष के स्रोतों को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

7. क) जेने शार्प के कार्यनीतिक अहिंसक संघर्ष परिवर्तन के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।
   ख) जोहन गल्टुंग का संघर्ष परिवर्तन में क्या योगदान है?

8. क) गाँधी की आधुनिक सभ्यता की आलोचना की समीक्षा कीजिए।
   ख) गाँधी द्वारा प्रस्तुत ट्रस्टीशिप के विचार का वर्णन कीजिए।

9. क) दक्षिण अफ्रीका में गाँधी के नेतृत्व में सत्याग्रह अभियान का वर्णन कीजिए।
   ख) शांति निर्माण के साथ जुड़ी प्रमुख विशेषताओं और उसके चरित्रता को स्पष्ट कीजिए।

10. क) संघर्ष के बाद पुनर्निर्माण और पुनर्वास को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।
    ख) अफगानिस्तान में शांति निर्माण के लिए भारत की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

www.ignou.com

पाठ्यक्रम – मानव सुरक्षा (एम.जी.पी.ई.–011)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः एम.जी.पी.ई.–011
सत्रीय कार्य कोड : एम.जी.पी.ई.–011/ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2013–2014
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. मानव सुरक्षा के अर्थ और संकल्पना को स्पष्ट कीजिए।

2. भारत में मानव अधिकारों के विकास को स्पष्ट कीजिए।

3. आप अपने शब्दों में निम्नलिखित को स्पष्ट कीजिएः
   क) लिंग विकास और मानव सुरक्षा
   ख) मानव सुरक्षा की गाँधीवाद दृष्टि

4. संगठनात्मक हिंसा पर गलटुंग के विचार की चर्चा कीजिए।

5. भारत में राज्य हिंसा की विशेषताएँ और इसके विचार की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

भाग – II

6. आतंकवाद के ग़ैर–राज्य पहलू पर आलोचनात्मक टिप्पणी कीजिए।

7. विश्व की चिंता के रूप में खाद्य सुरक्षा को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः

8. क) भारत में असंगठित श्रम की समस्या
   ख) हाशिए पर स्थित महिलाओं के सशक्तीकरण का अर्थ

9. अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए गाँधीवादी अभ्यास का वर्णन कीजिए।

10. नागरिकों पर सशस्त्र संघर्षों के प्रभाव की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

www.expdf.com

पाठ्यक्रम – गाँधी, पारिस्थितिकी और सतत विकास (एम.जी.पी.ई.–014)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः एम.जी.पी.ई.–014
सत्रीय कार्य कोड : एम.जी.पी.ई.–014/ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2013–2014
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. भारत में प्रयोग किए जाने वाले सतत् विकास और इसके पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।

2. गहन पारिस्थितिकी से आप क्या समझते हैं? इसके अर्थ और महत्व को स्पष्ट कीजिए।

3. पर्यावरण और विकास के बीच तीन प्रकार के संबंधों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

4. गाँधी के विकास के दृष्टिकोण की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

5. नए पैदा हुए वैकल्पिक विश्व विचार के साथ औद्योगिक युग विश्व विचार की तुलना कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

6. क) मानव पारिस्थितिकी की संकल्पना
   ख) पारिस्थितिकीय संतुलन

7. क) गाँधी का आदर्श गाँव
   ख) समाजवाद और सर्वोदय

8. क) ग़ैर–संग्रहण (अपरिग्रह) का सिद्धांत
   ख) भारत में पर्यावरणात्मक शिक्षा

9. क) विश्व में गरीब और अमीर देशों में संस्थाएँ
   ख) अन्त्योदय से सर्वोदय

10. क) गाँधीवादी जीवनशैली और जीवनयापन
    ख) रालेगाँव सिद्धी में जल संरक्षण

www.ignou.com